1–7–67 ओमशांति रात्रीक्लास

(खास ध्यान से पढ़ने और अमल करने योग्य)

बच्चियां सभी को कोचिंग चाहिए। शौक बहुत चाहिए किसी को भी समझाने का। फिर जो2 भी महारथी हैं रमेश–उषा आदि यह सेमिनार करते हैं। सेन्टर्स से बुलाकर सेमीनार आपस में करते हैं,राय करते हैं कि सर्विस वृद्धि को कैसे पावे?राजधानी कैसे स्थापन हो। तो जो2 महारथी हैं उनको खयाल करना चाहिए कि सर्विस की वृद्धि कैसे हो। महारथी अपने2 सेंटर्स पर बैठे2 (भी)राय भेज सकते हैं। एक जगह पर सबको मंगवाने पर खर्चा हो जाता है। इससे तो हर एक अपनी राय निकालकर भेजे कि बाबा यह2 .....होने चाहिए। ऐसे2 वृद्धि हो सकती है। बाबा भी प्रयत्न बताते हैं। सेंटर कितना बड़ा है वहां पर रुहानी म्यूजियम खोलो। बाहर से भभका करना चाहिए। लिख भी देना चाहिए। चित्र भी अच्छे2 होने चाहिए। समझाना है कि आकर सृष्टि चक्र की आदि,मध्य,अंत की नालेज समझो। वो बाप से कैसे वर्सा पा सकते हैं वो आकर समझो। हर एक बच्चा कोई ना कोई .....निकालकर घर बैठे ही लिखकर भेजो। यह भी तुम बच्चे ही जानते हो राजधानी कैसे स्थापन हो रही है। सदगति करने वाला गुरू किसी को भी कहा नहीं जा सकता है। कोई आग से पानी से पार करते हैं तो उसमें फायदा ही क्या?फायदा तो है तुम्हारे पास। बाबा का विचार है कि हर एक सेंटर पर जो बच्चे हैं रुहानी म्यूजियम भभके से खोल देवें कि भारत में सतयुगी दैवी स्वराज्य फिर से कैसे स्थापन हो रहा है वो आकर समझो। सतयुग से कलियुग,कलियुग से फिर सतयुग कैसे होता है वो आकर समझो। समझने में सतयुग का मालिक बन सकते हो। सेमिनार में भी तो यही विचार निकालेंगे ना। घर बैठे ही प्वाइंट्स निकालकर भेजो तो सेमिनार हो जाता है। कोई क्या राय देंगे,कोई क्या राय देंगे। घर बैठे ही लिख कर भेजो वो ठीक है। बाबा को सभी लिखकर भेजो फिर बाबा उस पर रोशनी डालेंगे। नौकरी छोड़कर कोई आ सके,ना आ सके। राय सबकी आवे तो बाबा देखेंगे। फिर तो बाबा मुरली में भी लिखवा सकते हैं कि फलाने2 की एक2 राय है। यह भी क्लीयर करके लिखना है कि भगवानोवाच्य बाप कहते हैं कि मुझे याद करो तो ही तुम पावन बन सकते हो। फिर तुम विश्व का मालिक बन जावेंगे। एवर हैल्दी,एवर वैल्दी,एवर हैप्पी बन जावेंगे। कलियुग का विनाश,सतयुग की स्थापना हो रही है। इसलिए अपना जीवन हीरे तुल्य बना लो। ऐसे2 राय निकालो। सलोगन बनाकर भेज दो तो बाबा भी देखे। जमीन भी ले सकते हैं। अभी टैंट लगाकर प्रदर्शनी भी करो। प्रोजेक्टर शो भी करें। बड़े गांव में हो फिर अब छोटे गांव में भी जाओ। टैन्ट्स से काम बहुत होगा। जास्ती दाम नहीं खाता है। वर्षा से बचने लिए रेनप्रूफ का टैंट बना लेना चाहिए। ऐसे2 राय निकालनी चाहिए। हर एक महारथी ,घोड़ेसवार ,प्यादे का पता पड़ जाता है। बहुत हैं जिनके तो खयालात ऐसे2 कब चलते ही नहीं हैं। मेल्स धंधे आदि वाले होते हैं तो उनको बहुत खयालात चलती है। श्मशान में भी तुम तो दो/चार मुख्य चित्र ले जाकर समझा सकते हो। मुख्य चित्र भी यह है। त्रिमूर्ति के चित्र और झाड़ में भी कुछ है। समझानी तो ईजी ही है। कोई भी सर्विस पर जाने लिए तैयार होवे तो लिख कर भेजे। चित्रों पर समझाना तो बहुत सहज है। कोई गुस्से में आकर बोले तो कहो कि सर्व का सदगति दाता तो शिवबाबा है। मनुष्य तो मनुष्य की सदगति कर ही नहीं सकते हैं सिवाय एक रुहानी बाप के। शांतिधाम ,सुखधाम और यह है दुःखधाम कोई भी शांतिधाम–सुखधाम में जाना चाहे तो आकर समझे। सुखधाम की अब स्थापना हो रही है। आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना हो रही है। जितना जो करेंगे उतना ही उनका फायदा है। रफ–टफ ज्ञान नहीं है यह। बहुत शांति से समझना होता है। दुनियां जो2 काम करती रहती है वो तुमको नहीं करने हैं। कान में फूंक देनी है। याद की यात्रा भी अच्छी चाहिए। नही तो उनका तीर लगेगा ही नहीं। बाबा जानते हैं कि याद की यात्रा में बहुत कच्चे हैं इसलिए ही सर्विस भी वृद्धि को नहीं पाती जा रही है। अच्छा,बच्चों से गुडनाइट।